

Patanjali among most unruly FMCG forces of 2016, says ASSOCHAM-TechSci study

New Delhi

Patanjali Ayurveda, steered by Baba Ramdev has turned out to be the most disruptive force in India's fast moving consumer goods (FMCG) market which is expected to reach the USD billion mark by 2020, according to an ASSOCHAM-TechSci Research paper.

Patanjali which has expanded its product portfolio across wide range of personal care and food and beverages witnessed a whopping annual growth of 146 per cent in fiscal 2016 grossing in turnover of USD 769 million whereas its peers including ITC, Dabur, Hindustan Unilever, Colgate - Palmolive and Procter and Gamble, among others, struggled to get a growth much less than a double digit.

"Patanjali Ayurveda has turned out to be the most disruptive force in the Indian FMCG market. Initially the Company focused only on the development of Ayurvedic medicines but gradually started manufacturing food items and cosmetics". Its products

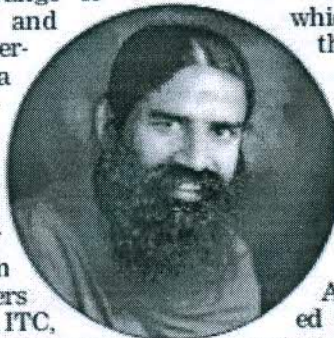
are available in 15,000 exclusive retail outlets, 3,000 Patanjali chikitsalaya kendras and retail chains such as Big Bazaar, Reliance Fresh etc.

"With around 500 products many of them in FMCG category the Company has significantly increased its market share. Many of its product launches have impacted share of other FMCG companies in that product category. Some of

its flagship brands which have wrested the market share of its competitors include Dant Kranti, Atta noodles and Kesh Kranti", the paper said.

Patanjali Ayurveda Limited is owned to the extent of 94 per cent by Acharya Bal Krishna, a close disciple of Baba Ramdev. In 2015, the total Indian FMCG market was USD 43 Billion of which 60 per cent is concentrated in urban areas and the rest in the rural areas.

E-commerce is among the major drivers for the FMCG sector. The websites such as Grofers, Flipkart and Amazon are making these products readily available to the consumers. —ANI



एफएमसीजी सेक्टर की बड़ी ताकत है पतंजलि

नई दिल्ली, प्रेड्र : योग गुरु बाबा रामदेव के नेतृत्व वाली एफएमसीजी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद का लोहा सभी मानने लगे हैं। एक रिपोर्ट में इसे देश के एफएमसीजी मार्केट में हलचल मचा देने वाली सबसे बड़ी ताकत करार दिया गया है।

उद्योग चैंबर एसोचैम व टेकसाई की रिसर्च रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इसके मुताबिक, पतंजलि आयुर्वेद की सालाना वृद्धि दर वित्त वर्ष 2016 में 146 फीसद रही। इस कंपनी ने 76.9 करोड़ डॉलर का कारोबार किया। इसके उलट इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों आइटीसी, डाबर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोलगेट-पामोलिव और प्रॉक्टर एंड गैबल की ग्रोथ दहाई के भीतर सीमित रही। रिपोर्ट के अनुसार पतंजलि आयुर्वेद ने शुरू में आयुर्वेदिक दवाओं पर ध्यान दिया। लेकिन धीरे-धीरे उसने खाद्य व कॉस्मेटिक उत्पादों की मैन्यूफैक्चरिंग शुरू की। अब 500 उत्पादों के साथ उसने अपनी बाजार भागीदारी बढ़ाई है। पतंजलि के उत्पादों की पेशकश का असर अन्य कंपनियों की बाजार भागीदारी पर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक पतंजलि के जिन उत्पादों ने अन्य कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी को प्रभावित किया है, उनमें दंत कांति, केश कांति और आटा नूडल्स



- कंपनी की वार्षिक वृद्धि दर वित्त वर्ष 2016 में 146 फीसद रही
- दस फीसद के भीतर सिमटी रही अन्य प्रमुख कंपनियों की ग्रोथ

शामिल हैं। पतंजलि आयुर्वेद में रामदेव के शिष्य आचार्य बालकृष्ण की 94 फीसद हिस्सेदारी है। बाकी की हिस्सेदारी व्यक्तियों के छोटे-छोटे समूह में बंटी है।

रिपोर्ट यह भी कहती है कि लागत के मामले में प्रतिस्पर्धी होने के कारण भारत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय एफएमसीजी कंपनियों के लिए एक मजबूत क्षेत्रीय निर्यात हब के तौर पर उभर रहा है।

2016 में पतंजलि ने किया 5,226 करोड़ का कारोबार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. उद्योग मंडल एसोचैम व टेकसाई की एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता उत्पाद (एएफएमसीजी) सेक्टर में पतंजलि बाजार में हलचल मचा देने वाली सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभर के सामने आई है। पतंजलि आयुर्वेद की सालाना

वृद्धि दर वित्त वर्ष 2016 में 146 फीसदी रही। इसने 5226 करोड़ रुपए का कारोबार किया। पतंजलि ने यह वृद्धि दर ऐसे समय में हासिल की जबकि इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां आईटीसी, डाबर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोलगेट-पामोलिव व प्रॉक्टर एंड गैबल-की कारोबार वृद्धि दर 10 फीसदी से कम रही।

पतंजलि में 146 प्रतिशत वृद्धि

आयुर्वेद बाजार में हलचल मचाने वाली बड़ी ताकत बनी पतंजलि

■ एसोचैम के सर्वे में निकाला गया निष्कर्ष

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार देश के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता उत्पाद (एफ एमसीजी) खंड के लिए पतंजलि आयुर्वेद बाजार में हलचल मचा देने वाली सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरी है। पतंजलि आयुर्वेद योग गुरु बाबा रामदेव का एफ एमसीजी उपक्रम है। उद्योग मंडल एसोचैम व टेकसाई की एक



अनुसंधान रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। इसके अनुसार पतंजलि आयुर्वेद की सालाना वृद्धि दर वित्त वर्ष 2016 में 146 प्रतिशत रही और

इसने 76.9 करोड़ डॉलर का कारोबार किया। रपट के अनुसार पतंजलि आयुर्वेद ने यह प्रभावी वृद्धि दर ऐसे समय में हासिल की, जबकि इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों -आईटीसी, डाबर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोलगेट-पामोलिव व प्रॉक्टर एंड गैबल- की कारोबार वृद्धि दर दहाई अंक यानी 10 प्रतिशत से कम रही।

अन्य कंपनियों पर भी पड़ा प्रभाव

रिपोर्ट के अनुसार पतंजलि के उत्पादों की पेशकश का असर अन्य कंपनियों की बाजार भागीदारी पर पड़ा है। पतंजलि के जिन उत्पादों ने अन्य कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी को प्रभावित किया है, उनमें दंत कांति, केश कांति व आटा नूडल्स शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पतंजलि आयुर्वेद में आचार्य बालकृष्ण की 94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आचार्य बालकृष्ण, रामदेव के करीबी हैं।

एफएमसीजी कारोबार में पतंजलि बड़ी ताकत

नई दिल्ली, भाषा। एक रपट के अनुसार देश के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता उत्पाद (एफएमसीजी) खंड के लिए पतंजलि आयुर्वेद बाजार में हलचल मचा देने वाली सबसे बड़ी ताकत के रूप में उबरी है। पतंजलि आयुर्वेद योग गुरु बाबा रामदेव का एफएमसीजी उपक्रम है। उद्योग मंडल एसोचैम व टेकसाई की एक अनुसंधान रपट में यह निष्कर्ष निकाला गया है।

इसके अनुसार, 'पतंजलि आयुर्वेद की सालाना वृद्धि दर वित्त वर्ष 2016 में 146 प्रतिशत रही और इसने 76.9 करोड़ डालर का कारोबार किया।' रपट के अनुसार पतंजलि आयुर्वेद ने यह प्रभावी वृद्धि दर ऐसे समय में हासिल की जबकि इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों - आईटीसी, डाबर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोलगेट-पामोलिव व प्रॉक्टर एंड गैबल- की कारोबार वृद्धि दर दहाई अंक यानी 10 प्रतिशत से कम रही।

इसके अनुसार पतंजलि आयुर्वेद ने शुरू में आयुर्वेदिक दवाओं पर ध्यान केंद्रित किया था लेकिन धीरे धीरे उसने खाद्य व कास्मेटिक उत्पादों का विनिर्माण शुरू किया और अब 500 उत्पादों के साथ उसने अपनी बाजार भागीदारी बढ़ाई है। रपट के अनुसार पतंजलि के उत्पादों की पेशकश का असर अन्य कंपनियों की बाजार भागीदारी पर पड़ा है।

रपट के अनुसार पतंजलि के जिन उत्पादों ने अन्य कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी को प्रभावित किया है उनमें दंत कांति, केश कांति व आटा नूडल्स शामिल है। उल्लेखनीय है कि पतंजलि आयुर्वेद में आचार्य बालकृष्ण की 94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आचार्य बालकृष्ण, रामदेव के करीबी हैं।

एफएमसीजी कारोबार में हलचल मचाने वाली कंपनी बनी पतंजलि

एजेसी, नई दिल्ली

एक रपट के अनुसार देश के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता उत्पाद (एफएमसीजी) खंड के लिए पतंजलि आयुर्वेद बाजार में हलचल मचा देने वाली

- सालाना वृद्धि दर 146 प्रतिशत रही
- कंपनी ने 76.9 करोड़ डालर का कारोबार किया

सबसे बड़ी ताकत के रूप में उबरी है। पतंजलि आयुर्वेद योग गुरु बाबा रामदेव का ए फ ए म सी जी उपक्रम है। उद्योग मंडल एसोचैम व टेकसाई की एक अनुसंधान रपट में यह निष्कर्ष निकाला गया है।

इसके अनुसार, 'पतंजलि आयुर्वेद की सालाना वृद्धि दर वित्त वर्ष 2016 में 146 प्रतिशत रही और इसने 76.9 करोड़ डालर का कारोबार किया।' प्रभावी वृद्धि दर हासिल : रपट के अनुसार पतंजलि आयुर्वेद ने यह

शुरुआत आयुर्वेदिक दवाओं से

इसके अनुसार पतंजलि आयुर्वेद ने शुरु में आयुर्वेदिक दवाओं पर ध्यान केंद्रित किया था लेकिन धीरे धीरे उसने खाद्य व कॉस्मेटिक उत्पादों का विनिर्माण शुरू किया और अब 500 उत्पादों के साथ उसने अपनी बाजार भागीदारी बढ़ाई है। रपट के अनुसार पतंजलि के उत्पादों की पेशकश का असर अन्य कंपनियों की बाजार भागीदारी पर पड़ा है।

प्रभावी वृद्धि दर ऐसे समय में हासिल की जबकि इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों -आईटीसी, डाबर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोलगेट-पामॉलिव व प्रॉक्टर एंड गैबल- की कारोबार वृद्धि दर दहाई अंक यानी 10 प्रतिशत से कम रही।

बालकृष्ण की 94 फ्रीसदी हिस्सेदारी

रपट के अनुसार पतंजलि के जिन उत्पादों ने अन्य कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी को प्रभावित किया है उनमें दंत क्रांति, केश क्रांति व आटा नूडल्स शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पतंजलि आयुर्वेद में आचार्य बालकृष्ण की 94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आचार्य बालकृष्ण, रामदेव के करीबी हैं।

